पुस्तकालय

2
3256
1/3/2013

25 FEB 2013 असंशोधित

बिहार विधान–सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

(भाग–1 कार्यवाही प्रश्नोत्तर)

प्रतिवेदन शाखा
पी०स०प्रे०सं०......187 तिथि 1-3-13

बि०स०मु०(एल०ए०वादवृत्त),183—मो०एल०—1,500

प्रक्रियाधीन है । शेष पदाधिकारियों के आवास निर्माण हेतु भूमि चिन्हित करने की कार्रवाई की जा रही है ।

श्री सतीश चन्द्र दूबे: अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि भूमि वहां ब्लौक के अंदर कैंपस के अंदर काफी है । और क्या भूमि उपलब्ध होते हुए भी वहां के अन्य पदाधिकारियों का आवास बनाने का सरकार कोशिश करेगी अगर हां तो कब तक ?

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव,मंत्री: महोदय, मैने कहा कि अनुमंडल पदाधिकारी के आवास के लिए एडमिनिस्ट्रेटिव एप्रूवल दे दिया गया है और उसमें जो निविदा की टेंडर की प्रक्रिया है वह भवन निर्माण कर रहा है । शेष अधिकारियों के निवास स्थान के लिए जमीन चिन्हित किये जा रहे हैं । अगर उपलब्ध होगा जमीन तो चिन्हित कर रिपोर्ट आ जाएगा फिर उसका ये दिया जाएगा । अगर नहीं होगा भूमि उपलब्ध तो उसके लिए अलग से कार्रवाई की जायेगी ।

तारांकित प्रश्न संख्या-480 (श्री कृष्णनंदन यादव)

अध्यक्ष: मा0 मंत्री, उद्योग ।

श्रीमती रेणु कुमारी,मंत्री: 1- अस्वीकारात्मक है ।

2- स्वीकारात्मक है ।

3- पाषाण शिल्प सुलभ सेवा केन्द्र पत्थरकट्टी गया हस्तशिल्प प्रक्षेत्र के अंतर्गत स्टोन संबंधित प्रशिक्षण संस्थान के रूप में स्थापित है । उक्त केन्द्र के माध्यम से वर्ष में दो प्रशिक्षण सत्र संचालित करने हेतु उद्योग निदेशालय बिहार सरकार पटना के पत्रांक 21 दिनांक 17.08.2012 द्वारा राशि 24 लाख 49 लाख संस्थान को उपलब्ध करायी गयी है । जिसमें 25-25 प्रशिक्षाणार्थी की प्रति सत्र संख्या निर्धारित है । प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण अवधि में प्रतिमाह 500 रू0 की दर से छात्रवृति उपलब्ध कराये जाने का प्रावधान है । इस योजना का मुख्य उद्देश्य स्थानीय शिल्पकारों को स्कील्ड डेवलपमेंट कर उन्हें बैंकों के माध्यम से ऋण दिलाकर ईकाई की स्थापना करा कर रोजगारोन्मुखी बनाना है । इसका कार्य भार महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र, गया को दिया गया है । सरकार समय पर मेला एवं प्रदर्शनी के माध्यम से राज्य एवं राज्य के बाहर नि:शुल्क स्टॉल आवंटित कर विपणन की व्यवस्था करती है ।

श्री कृष्णनंदन यादव: महोदय, पत्थरकट्टी ऐसे स्थान पर है जहां पर इंदौर से होल्कर महाराज वहां पर शिल्पकार मंगाये थे दो सौ वर्ष पहले । बहुत से शिल्पकार वहां से पलायन भी कर गये हैं । अभी तक वहां पर उनकी आर्थिक स्थिति बहुत ही खराब है और वे लोग चाहते हैं कि यही रोजगार करें और यहीं पत्थर काट कर मूर्त्ति बनायें । वहां का

टर्न-5/25.02013 विजय ...

पत्थर भी बढ़िया है और बाहर से भी पत्थर ये लोग मंगाते हैं । लेकिन सरकार से ऋण सस्ते दर पर अगर उपलब्ध हो जाता तो शायद वे लोग पलायन नहीं करते । तो क्या सरकार चाहती है कि उनलोगों को सस्ते दर पर ऋण मुहैया करावे जिससे कि वे लोग पलायन न करें ।

श्रीमती रेणु कुमारी,मंत्री: महोदय, सरकार तो इसमें ऋण देती नहीं है बैंक द्वारा ऋण दिये जाने मतलब ।

अध्यक्ष: संज्ञान में ले लीजिये मंत्री महोदया ।

श्रीमती रेणु कुमारी,मंत्री: जी बहुत अच्छा ।

तारांकित प्रश्न संख्या-४८१ (श्री सचीन्द्र प्रसाद सिंह)

अध्यक्ष: मा0 मंत्री, गन्ना उद्योग ।

श्री अवधेश प्रसाद कुशवाहा,मंत्री: प्रश्न अस्वीकारात्मक है । वित्तीय वर्ष 2011-12 में पूर्वी चंपारण जिला अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र पीपराकोठी द्वारा 17 किसानों को 244 क्वींटल गन्ना बीज का वितरण किया गया । जिस पर किसानों को 115 रू0 प्रति क्वींटल की दर से अनुदान आपूर्त्ति श्रोत पर ही दिया गया है । कृषि विज्ञान केन्द्र पीपराकोठी द्वारा अनुदानित दर पर वितरित गन्ना बीज प्राप्त करने वाले लाभान्वित कृषको की सूची संलग्न है ।

2- विभागीय निदेशानुसार वित्तीय वर्ष 2012-13 में राज्य योजना अंतर्गत कृषि रोड मैप के तहत मुख्यमंत्री गन्ना विकास योजना अंतर्गत गन्ना के प्रमाण्ति सत्यापित उत्तम प्रवेदों के गन्ना के उत्तम बीज चीनी मिलों के माध्यम से किसानों को उपलब्ध कराया जा रहा है । और कोई किसान सरकारी संस्थाओं से गन्ना बीज क्रय करते हैं तो क्रय किये गये बीज का अभिश्रव के साथ आवेदन संबंधित चीनी मिल के माध्यम से संबंधित सहायक निदेशक को उपस्थापित करेंगे जिसके आधार पर सहायक निदेशक 125 रूपया प्रति क्वींटल की दर से अनुदान से संबंधित राशि किसानों को उपलब्ध करायेंगे ।

3- कंडिका 1 एवं 2 में स्वत: स्पष्ट है ।

श्री सचीन्द्र प्रसाद सिंह: अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से आपके माध्यम से जानना चाहता हूं ।

(व्यवधान)

श्री भाई वीरेन्द्र : महोदय, सदन चिंतित था कि गन्ना मंत्री को सांप ने काट लिया और करैत सांप मर गया इनके काटने से ।

अध्यक्ष: छोड़कर आ गये हैं, छोड़ कर आ गये हैं । बैठिये ।

(हंसी)